

क्या भ्रष्टाचार की शिकायत वापिस होनी चाहिए?

उत्तर प्रदेश के पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के खिलाफ की गई भ्रष्टाचार की शिकायत को उनके पति आलोक मौर्य ने वापस ले लिया है। सोमवार को कमिशनर और जांच अधिकारी को पत्र देकर उन्होंने अपनी शिकायत वापस लेने का प्रार्थना पत्र दिया है प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार की शिकायत वापस ली जा सकती है। शिकायतकर्ता ज्योति मौर्य के पात्र ने मंडलायुक्त को शिकायत वापस लेने के लिए भले ही प्रार्थना पत्र दे दिया हो, किंतु शिकायत बहुत गंभीर प्रवृत्ति की है इसकी जांच तो होनी ही चाहिए। बल्कि आयकर विभाग से भी इस शिकायत की जांच कराई जानी चाहिए।

उत्तर प्रदेश के प्राप्तांगद में सफाई कर्मी के पद पर तैनात आलोक मौर्य ने अपनी एस्डीएम पत्री ज्योति मौर्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। उसने अपनी पत्री ज्योति मौर्य की उस कथित डायरी के 32 पन्नों के फोटोग्राफ भी शिकायत के समर्थन में पेश किया था, जिसमें लाखों रुपये के लेनदेन का लेखांजोखा था। बताया जा रहा था कि डायरी में लाखों के लेनदेन का ब्लौरा दर्ज है।

शासन ने मामले की जांच के लिए कमिशनर प्रयागराज विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। जांच कमेटी ने आठ अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान आलोक से सबूत मार्ग थे। आलोक ने 20 दिन का समय मांगा था। पीसीएस अफसर ज्योति मौर्य उस दिन जांच कमेटी के सामने पेश नहीं हुई।

ज्योति मौर्य के समाज में आठ अगस्त को सुनवाई पर आए आलोक ने कहा था, "मैंने ज्योति पर जो भी आरोप लगाए हैं। मुझे उन्हें साबित करने के लिए समय दिया जाए।" कमेटी ने बात सुनने के बाद कहा था, "आपके पास 20 दिन का समय था। आपने जो भी आरोप लगाए हैं। उनका सबूत पेश करें। इसके बाद जांच कमेटी ने 28 अगस्त को फिर से पेश होने का आदेश दिया था।"

आलोक मौर्य ने आलोक को सूनवाई के लिए आलोक को संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए बुलाया था। सोमवार को जांच अधिकारी के समझ पहुंचे आलोक मौर्य ने कहा कि भ्रष्टाचार का आरोप उसने ही अपनी पत्री पर लगाया था और इसकी जांच की मांग की थी, लेकिन अब वह अपनी शिकायत को वापस ले रहा है। इसके लिए उसने प्रार्थना पत्र भी दिया है। जांच व्यापक आलोक मौर्य की शिकायत पर शासन के आदेश पर कमिशनर विजय विश्वास पंत की देखरेख में तीन सदस्यीय कमेटी जांच कर रही थी।

आलोक मौर्य और ज्योति मौर्य की शादी 2010 में हुई थी। 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चुनूरु श्रीगी कर्मचारी के रूप में हुआ था। इसके बाद उन्होंने ज्योति की पढ़ाई करवाई। साल 2015 में ज्योति का चयन एस्डीएम पद पर हो गया। लोक सेवा आयोग से महिलाओं में ज्योति की तीसरी रैंक और अंत ऑवर 16वीं रैंक थी। सभी बहुत खुश थे। 2015 में जुड़वा बच्चियां हुईं।

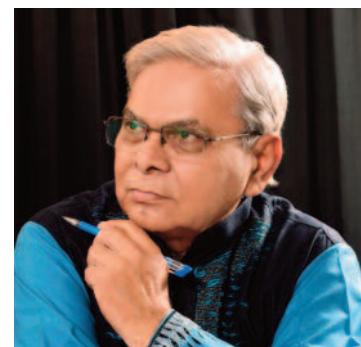
पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के पति आलोक ने शासन को शिकायती पत्र भेजकर ज्योति पर हर माह पांच से छह लाख रुपये वसूली का आरोप लगाया था। आलोक ने अपनी शिकायत के समर्थन में डायरी के पन्नों की छाया प्रति भी लगाई थी, जिसमें लेनदेन का पूरा हिस्सा लिखा जाता था। शिकायत मिलने के बाद शासन ने कमिशनर विजय विश्वास पंत को जांच सौंपी थी। कमिशनर ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई। इसमें अपर आयुक्त प्रशासन अमृतलाल और दो अन्य सदस्य शामिल हैं।

लिखित शिकायत और डायरी के लाखों के लेनदेन वाले डायरी के पन्ने की छाया प्रति लगाने के बाद आलोक का सबूत के लिए बुलाना उचित प्रतीत नहीं होता। जांचकर्ताओं को चाहिए था कि आलोक की पत्री को बुलाकर उससे पूछता डायरी उसकी है या नहीं। ज्योति के मना करने पर ज्योति का बोला लेख लेकर डायरी के पन्नों की छाया प्रति के साथ लेख विशेषज्ञ को जांच के लिए भेजा जाना चाहिए था अगर लेख एक ही मिलता तो कार्रवाई होनी चाहिए थी। लेकिन उसकी शिकायत को वापस ले रहा है। इसके लिए उसने प्रार्थना पत्र भी दिया है। जांच व्यापक आलोक मौर्य की शिकायत पर शासन के आदेश पर कमिशनर विजय विश्वास पंत की देखरेख में तीन सदस्यीय कमेटी जांच कर रही थी।

हो सकता है कि ज्योति की जांच अधिकारियों से बात हो गई हो, कि वह शिकायत वापसी का प्रार्थना पत्र मिलने पर शिकायत निरस्त कर फाइल बंद कर देंगे। फाइल बंद होनी या नहीं ये तो जांच अधिकारी जाने, किंतु मामला गंभीर भ्रष्टाचार का है, इसलिए जांच होनी ही चाहिए।

दरअसल इस तरह की शिकायत पर शासन की ओर से जांच शुरू होने के बाद शिकायत करता का शिकायत वापस लेने के लिए प्रार्थना पत्र देना शिकायतकर्ता की विश्वसनीयता संदिग्ध करता है। उसने भले ही जांचकर्ता अधिकारियों के सामने और मीडिया के सामने कहा हो कि इस पर शिकायत वापस लेने का कोई दबाव नहीं है, किंतु उसकी शिकायत वापस लेने का प्रार्थना पत्र यह बताने के लिए बीस दिन का समय लेना और बीस दिन बाद शिकायत को वापस लेने का प्रार्थना पत्र निरस्त कर जांच जारी रखे साथ ही शिकायत करने के बाद शासन की ओर से जांच करने के अनुरोध करते वाले आलोक के खिलाफ ही कर्मचारी का समय बरबाद करने, सरकार के साथ झूँझूलने के लिए उसके खिलाफ ही कर्मचारी का समय बरबाद करने, और जांचकर्ता अधिकारियों को एक बड़ी लाठी लानी। वह सरकारी कामदाचार और झूठी शिकायत में उसके बाद लेना जाना चाहिए। इसके बाद शासन स्वरूप सुनवाई पर ही दे सकता था।

पहले प्रत्येक शिकायत पर जांच होती थी। आमतौर पर शिकायत कर्ता शिकायत करने वाले के नजदीकी होता है, वह उसके राज जानता है, इसलिए वह अपना परिचय गुप्त रखना चाहता है। ऐसी गुप्त शिकायतों पर ही काफी बड़े भ्रष्टाचार खुले हैं। लालू यादव का 950 करोड़ का चारा घोटाला भी ऐसी ही गुमनाम शिकायत पर खुला था लेकिन शिकायतों की जांच से बचने के लिए अब प्रशासन ने तो कर लिया कि गुमनाम शिकायतों की जांच नहीं होगी। शिकायत करने वाले को शिकायत के साथ सुबूत लगाने पर भी उसे साक्ष्य देने के लिए उसके खिलाफ ही कर्मचारी को चाहिए था कि इस शिकायत को वापस लेने का प्रार्थना पत्र पर निरस्त कर जांच जारी रखे साथ ही शिकायत करने के बाद शासन स्वरूप निरस्त नहीं करता है। इसके बाद वह अपनी शिकायत करेगा, बाद में गुपचुप समझौता कर शिकायत वापिस ले लेना।



अशोक मधुप

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बैठकी "एजुकेशन हब- "कोटा" बना आत्महत्या हब"

(भाग-1)

दैनिक समाज जागरण

बैठकीने में हम सभी अभी बैठे हीं थे कि क्या स्टार साहब मेरी और देखवा पुछ बैठे--"ए सरजी, आप समाजशास्त्री हैं वाताइये- आत्महत्या के लिये कौन दोषी है!"

मास्टर साहब, समाजशास्त्र के तहत, स्नातक और उपर की कक्षाओं में "द प्रिंसिपल ऑफ सुपाइड" पढ़ाया जाता है जिसमें इमाइल दुर्खिम का सिद्धांत सर्व मान्य है। इसके अनुसार--" जब किसी व्यक्ति के व्यक्तिकृत को समाज, स्वतंत्र नहीं रहने देता और अपने में आत्महत्या कर लेता है तो उस व्यक्ति प्रियेष को मजबूर कर देता है कि वो आत्महत्या कर ले, आत्महत्या कर ले और वो व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है।"

तात्पर्य ये है कि आत्महत्या के लिये व्यक्ति नहीं बल्कि समाज दोषी या कारण बनता है।

ए मास्टर साहब, रुठवा इ बात काहे उठवनीहाँ!!- मुखियाजी मास्टर साहब बच्चों के आत्महत्या के लिये व्यक्ति नहीं बल्कि समाज दोषी या कारण बनता है।

सुने नहीं! लोवर मिडिल क्लास और अपर मिडिल क्लास के माता पिता, अपना पेट काटकर, लाखों रुपयों का इंजेजम करके, अपने बच्चों के ऊज्ज्वल कटा कर और इंजेनियर बनाने के उद्देश्य से, कोटा के कोचिंग संस्थानों में कंपटीशन की तैयारी हो जाती है।

ए मास्टर साहब, रुठवा इ बात काहे उठवनीहाँ!!- मुखियाजी मास्टर साहब बच्चों के आत्महत्या के लिये व्यक्ति नहीं बल्कि समाज दोषी या कारण बनता है।

यही नहीं मुखियाजी, ये रुठीन सोमवार से ए सरजी, कोटा में कोचिंग संस्थानों का

शुक्रवार तक फालो करना होता है। शनिवार और रविवार को ब्रेकिंग होती है। अपने जाने की सुविधाएं मुहैस्य करायी जाती हैं। उनकी पढ़ाई एसी क्लास रूम में होती है, अपने जाने के लिए अलग टेस्ट होता है। फिर हर सबजेक्ट का अलग टेस्ट होता है। इन सरजों के लिए अलग टेस्ट का रुठीन टेस्ट कहा जाता है। रुठीन टेस्ट का रिजल्ट आपने के बाद डिस्क्सेशन होता है। 3 घंटे की कोचिंग के बाद टेस्ट होता है।

ए महाराज! ऐसी स्थिति में बच्चों का तनाव में आना स्वभाविक है। और ये तनाव उन्हें आत्महत्या करने की ओर ले जाता होगा, इसमें दो मत नहीं!- पारस नेता पगड़ी ठीक करते हुए।

एक व्यक्ति के बच्चों के आत्महत्या करने की ओर ले जाता है। इनके बच्चों के आत्महत्या करने के लिए उन्हें अप्रैल के लिए एस्टर करते हैं। एस्टर के लिए अलग टेस्ट होते हैं। 11 घंटे की व्यक्ति के बच्चों के लिए एस्टर करते हैं। 15 से 17 घंटे की व्यक्ति के बच्चों के लिए एस्टर करते हैं। 34 घंटे की व्यक्ति के बच्चों के लिए एस्टर करते हैं। 50 घं

कोहिनुर स्टील में जे बी के एस एस के नेतृत्व में त्रिपक्षीय वार्ता सफल, कामगारों में खुशी का लहर

फुलचांद परित, समाज जागरण, प्रखण्ड संवाददाता, नीमडीह नीमडीह (झारखण्ड) 29 अगस्त 2023 : सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत चाडिल प्रखण्ड के खुंडीडीह में रिथित कोहिनुर स्टील कंपनी के कामगार अपने छह सूत्री मारों के समर्थन में दो दिन तक 27 व 28 अगस्त को कंपनी परिसर के समक्ष झारखण्डी भाषा विधायिकी समिति चाडिल अनुमंडल ईडाके के सक्रिय सदस्य तरुण महतो के नेतृत्व में धरना दिया। सोमवार देव शाम कंपनी प्रबंधन, कामगार एवं झारखण्डी भाषा खितायीनी समिति चाडिल अनुमंडल ईडाके सक्रिय सदस्य तरुण महतो आदि के उपस्थिति में त्रिपक्षीय वार्ता सफल रहा। कंपनी प्रबंधन ने त्रिपक्षीय वार्ता कि सभी को सूचित करत है की सरकार द्वारा दिए गए 01 अप्रैल 2023 अमेंट के अनुसार सभी कंपनी के मर्चारियों को वेतन का



मासिक वेतन दिया जायेगा। अन्तर राशि का भुगतान 1 अप्रैल 23 से एरिय के रूप में भुगतान अगले भुगतान में किया जायेगा। वर्तमान मासिक का पीएफ व इंएस आई का राशि की भुगतान नियमित रूप से प्रतिमाह किया जा रहा है एवं भुगतान 2 माह में किया जायेगा।

राशन डीलर व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विधायक ने किया बैठक

दैनिक समाज जागरण, शेखर सुमन , ईचांगढ़ सराइकेला (झारखण्ड) ईचांगढ़- प्रखण्ड सभार में मंगलवार को विधायक साकारा महतो की अध्यक्षता में राशन डीलरों, पदाधिकारियों व पंचायत प्रतिनिधियों का संयुक्त बैठक किया गया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों व डीलरों को राशन अम्य पर उपलब्ध कराने, लापूकों को समय पर और अंतीम माप के साथ उपलब्ध कराने, दिसम्बर माह का राशन उपलब्ध कराने, राशन में डीलरों को कटौती करने का मामला छाया रहा। अधिकारी राशन डीलरों का अग्रसर का अनाज नील कर दिया गया है, जिससे डीलर राशन वितरण करने में समय नहीं है। प्रति महिना राशन में कटौती करने से डीलरों का दर्द साफ छालक रहा था। डीलरों के कोरोना काल का भी कमीशन नहीं मिलने का मामला उठाया गया। वहीं पंचायत प्रतिनिधियों ने समय पर राशन उपलब्ध कराने, राशन कांडे से नाम हटाने व जोड़ने को सुनाया।



विधायक समिति कर्तव्य महतो ने कहा कि आज बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों व डीलरों का समस्याओं को सुना गया एवं दोनों पक्षों का समस्याओं को लेकर उच्च पदाधिकारी से बात कर दिए दूर करने का पहल किया जाएगा। उहोंने कहा कि समय पर अनाज आपूर्ति करने को एमओ को निर्देश दिया गया। उहोंने कहा कि अपार्टी करने का साथी भी दिया गया। मौके पर नामों को हटाने के लिए लोगों को आपूर्ति कार्यालय का चबकर लगाना पड़ रहा है। वहीं डीलरों ने समय पर अनाज आपूर्ति करने, दिसम्बर 2022 का अनाज आपूर्ति करने, कोरोना काल का कमीशन

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री पहुंचे बोडाम के अंधारझोर गांव शिल्पकारों का बढ़ाया उत्साह, बोले- हुनर को मिलेगी पहचान, शहर में दिलायेंगे उत्पादों के लिए स्थान

नंदा रजक, दैनिक समाज जागरण, प्रखण्ड संवाददाता, पटमदा पटमदा : जिले के स्थानीय शिल्पकारों के उत्पाद को सही मार्केट तथा उनके उत्पाद को उत्तित मूल्य-मिले इस दिशा में जिला दृष्टिकोणी-सह- उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री लगातार प्रयत्नीय हैं। इसी क्रम में आज बोडाम प्रखण्ड के सुदूर अंधारझोर गांव में शिल्पकारों से मुलाकात करने पहुंचे। मौके पर उहोंने शिल्पकारों से तबला, मादर, ढाल, मूरुआ आदि को बनाने में लगने वाला समय, लागत, निर्माण समग्री, मार्केट तथा उनके उत्पाद को मिलने वाले मूल्य की जानकारी ली। 70 परिवर्तों का गांव अंधारझोर के ग्रामीणों ने बताया कि कई पहियों से उनके गांव शिल्पकरण को संरक्षित रखने का कार्य कर रहा है लेकिन लागत के अनुपात में मूल्य नहीं मिलने तथा बाजार उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग इससे विमुख भी होने लगे हैं। गांव के बुजुर्ग तो यदा कदा यह कार्य कर भी रहे हैं लेकिन युवा इसमें कम आमदानी को देखते हुए दूसरे पेशा को अपने लगे हैं। अंधारझोर के शिल्पकारों ने उपायुक्त को बताया कि साक्षी संजय मार्केट के पास बने बजार-गांव के लिए एक बैठक किया गया। वहीं शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विषयकमा योजना के अंतर्गत 15 हजार रु का टूलकीट



कठिनाईयों से भी अवगत कराया। उहोंने उपायुक्त से जगह उपलब्ध कराने का निवेदन भी किया। जिला दृष्टिकोणी सह- उपायुक्त ने बढ़ाया हाँसला, कहा- बाजार और योजना का लाभ दोनों मिलेगा अंधारझोर से लौटने के पश्चात जिला दृष्टिकोणी सह- उपायुक्त सीधे संस्कृती प्लाटिफॉर्म के लिए जिला दृष्टिकोणी सह- उपायुक्त से जिला दृष्टिकोणी सह- उपायुक्त को लेकर आवास की परिधि में विश्वकर्मा योजना के लिए एक बैठक किया गया। उपायुक्त ने बोला कि विधायक समिति के लिए लाभ दोनों मिलेगा अंधारझोर के लिए एक बैठक किया गया। उपायुक्त को लगाने का कार्यालय के लिए एक बैठक किया गया। उपायुक्त को लगाने का कार्यालय के लिए एक बैठक किया गया। उपायुक्त को लगाने का कार्यालय के लिए एक बैठक किया गया। उपायुक्त को लगाने का कार्यालय के लिए एक बैठक किया गया।

डिग्री कॉलेज उद्घाटन के लिए रणनीति के तहत बैठक किया गया।

दैनिक समाज जागरण प्रखण्ड संवाददाता विपुल कुमार गोस्वामी फेहेहुर जामताडा (झारखण्ड) 29 अगस्त मंगलवार को झारखण्ड पुक्ति मोर्चा के प्रखण्ड कार्यालय में पार्टी की ओर से एक बैठक किया गया। जिससे किलोजे उद्घाटन 6 सितम्बर किया जाना है पार्टी के आवास के लिए एक बैठक ने यह भी बताया तक आना है फिर डिग्री कॉलेज उद्घाटन समारोह में भाग लगें। प्रखण्ड अध्यक्ष अशोक महतो ने यह भी बताया कि अनुसारित रूप से रेली को करना है जिससे पार्टी के कार्यकर्ता अपना अपना उपरिथित दर्ज करना है।

देवरी डुमरी फील्ड फायरिंग रेंज का विदोधः प्रखण्ड कार्यालय में धरना प्रदर्शन।

दैनिक समाज जागरण निशांत तिवारी जिला संवाददाता चत्तरा चत्तरा (झारखण्ड) 29 अगस्त 2023:-जिले के हंटररंग प्रखण्ड में मंगलवार को देवरी डुमरी फील्ड फायरिंग रेंज के खिलाफ नारेबाजी की। जिसमें पंचायत संघर्ष



कांग्रेसियों ने झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर का केक काटकर मनाया जन्मदिन

अध्यक्ष कुमार मिश्र, दैनिक समाज जागरण, प्रखण्ड संवाददाता, आदित्यपुर सायरकेला खरसावां (झारखण्ड) 29 अगस्त 2023 :-झाजिला कांग्रेस कमेटी सायरकेला खरसावां जिला अंतर्गत चाडिल प्रखण्ड के खुंडीडीह में रिथित कोहिनुर स्टील कंपनी के कामगार अपने छह सूत्री मारों के समर्थन में दो दिन तक 27 व 28 अगस्त को कंपनी परिसर के समक्ष झारखण्डी भाषा विधायिकी समिति चाडिल अनुमंडल ईडाके के सक्रिय सदस्य तरुण महतो के नेतृत्व में धरना दिया। सोमवार देव शाम कंपनी प्रबंधन, कामगार एवं झारखण्डी भाषा खितायीनी समिति चाडिल अनुमंडल ईडाके के सक्रिय सदस्य तरुण महतो ने त्रिपक्षित दिया कि सभी को सूचित करत है की सरकार द्वारा दिए गए 01 अप्रैल 2023 अमेंट के अनुसार सभी कंपनी के मर्चारियों को वेतन का